Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी साहित्य

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : तरंग हिन्दी पाठमाला-3

दोहराई - पाठ - 12 'अनमोल मित्रता'

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम वर्कशीट - दो के पाठ्यक्रम में से पाठ - 12 की दोहराई करेंगे। सब बच्चे इस पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. शब्द अर्थ

1. शयनकक्ष -
2. बिवाइयाँ -
3. अतिथि -
4. पगड़ी -
5. पात्र -

प्रश्न 2. खाली स्थान भरो :-

1. इन्हें ले जाओ और मेरे शयन कक्ष में ——— कराओ।
2. ——— दो थालों में भोजन ले आता है।
3. द्वारपाल ने ——— के आने की सूचना श्रीकृष्ण को दी।

प्रश्न 3. किसने, किससे कहा :-

1. "मैं तो डर गया था कि तुम मुझे पहचान भी पाओगे या नहीं।"

कक्षा - तीसरी

विषय - हिन्दी साहित्य

2. "तुम अपने को निर्धन क्यों समझते हो"?
3. तुम धन्य हो, मित्र! धनी होकर भी निर्धन मित्र का इतना सम्मान कर रहे हो।"

प्रश्न 4. सही या गलत

1. सुदामा का शरीर दुबला- पतला था। ( )
2. श्रीकृष्ण सुदामा को अपने हाथ से भोजन कराते हैं।
3. श्रीकृष्ण के पैरों में काँटे चुभे हैं। ( )

प्रश्न 5. वाक्य बनाओ

1. शहर -
2. वस्त्र -
3. सिंहासन -

प्रश्न 6. प्रश्न - उत्तर

1. सुदामा को खाना किसने खिलाया?

उत्तर -

2. श्रीकृष्ण के बचपन का मित्र कौन था?

उत्तर -

धन्यवाद।

[Last Page]